अध्याय 3: धन और साख

3.1 ऋण के औपचारिक और अनौपचारिक स्रोत

मुख्य अवधारणाएँ

- **ऋण के औपचारिक स्रोत**:
- **बैंक**: सरकार द्वारा विनियमित संस्थाएँ जो उचित ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करती हैं। उदाहरण: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (जैसे, एसबीआई), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी)।
- **सहकारी संस्थाएँ**: सदस्य-स्वामित्व वाली संस्थाएँ जो बचत को जमा करती हैं और सदस्यों को कम दरों पर ऋण देती हैं। उदाहरण: प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (पीएसीएस)।
- **औपचारिक स्रोतों की भूमिका**:
  - **भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)** द्वारा विनियमित।
  - **सुरक्षित और पारदर्शी** ऋण विकल्प प्रदान करते हैं।
  - अनौपचारिक ऋणदाताओं पर निर्भरता कम करने में सहायक।
- **ऋण के अनौपचारिक स्रोत**:
- **साहूकार**: निजी ऋणदाता जो **उच्च ब्याज दरें** (अक्सर 36% वार्षिक से अधिक) वसूलते हैं।
- **स्थानीय ऋणदाता**: रिश्तेदार, मित्र या स्थानीय व्यापारी जो औपचारिक दस्तावेजों के बिना ऋण देते हैं।
- **अनौपचारिक स्रोतों की भूमिका**:
  - **ग्रामीण क्षेत्रों** में आम जहाँ औपचारिक ऋण दुर्गम है।
    दोष: शोषणकारी ब्याज दरें, पारदर्शिता की कमी, और ऋण जाल का जोखिम।

उदाहरण

- एक छोटा किसान बीजों के लिए साहूकार से उधार ले सकता है, जहाँ उसे उच्च ब्याज दरों का सामना करना पड़ता है।
- एक सहकारी समिति अपने सदस्यों को कृषि उपकरण खरीदने के लिए ऋण दे सकती है।

परीक्षा टिप्स

- **औपचारिक और अनौपचारिक स्रोतों की तुलना करें**: विनियमन, ब्याज दरें और पहुँच पर प्रकाश डालें।
- **ऋण जाल की समस्या का उल्लेख करें**: समझाएँ कि कैसे अनौपचारिक ऋणदाता अत्यधिक दरें वसूलकर उधारकर्ताओं को ऋण चक्र में फँसाते हैं।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

3.2 ब्याज दरें और ऋण की उपलब्धता

मुख्य अवधारणाएँ

- **ब्याज दर**: धन उधार लेने की लागत, जो ऋण राशि के प्रतिशत के रूप में व्यक्त की जाती है।
- **उधारकर्ताओं और ऋणदाताओं पर प्रभाव**:
- **उधारकर्ता**: उच्च दरों का अर्थ है अधिक चुकौती बोझ। छोटे किसान और श्रमिक अक्सर **उच्च ब्याज ऋणों** का सामना करते हैं, जिससे वित्तीय तनाव उत्पन्न होता है।
- **ऋणदाता**: ब्याज से आय अर्जित करते हैं, लेकिन अगर उधारकर्ता चुका नहीं पाते हैं तो डिफ़ॉल्ट का जोखिम होता है।
- **छोटे किसानों और श्रमिकों के लिए चुनौतियाँ**:
- साहूकारों से **उच्च ब्याज ऋण**।
- ऋण सुरक्षित करने के लिए **जमानत (जैसे, भूमि या संपत्ति) की कमी**।
- **औपचारिक ऋण की अपर्याप्त पहुँच** जिसका कारण है नौकरशाही बाधाएँ।

उदाहरण

- एक किसान ₹10,000 का ऋण 24% वार्षिक ब्याज पर लेता है। एक वर्ष बाद, उसे ₹12,400 चुकाना होगा।
- एक कारखाने का मजदूर चिकित्सा व्यय के लिए ऋण ले सकता है, लेकिन चुकौती के समय आगे के ऋण का सामना करना पड़ता है।

परीक्षा टिप्स

- **ब्याज दर को परिभाषित करें** और ऋण बाजारों में इसकी भूमिका समझाएँ।
- **उधारकर्ताओं की सुरक्षा के लिए आरबीआई की भूमिका** का उल्लेख करें।

3.3 अर्थव्यवस्था में धन की भूमिका

मुख्य अवधारणाएँ

- **धन के कार्य**:
- **विनिमय का माध्यम**: वस्तुओं/सेवाओं को खरीदने के लिए उपयोग किया जाता है (उदाहरण: नकदी से किराने का सामान खरीदना)।
- **मूल्य का भंडार**: धन समय के साथ मूल्य बनाए रखता है (उदाहरण: भविष्य के उपयोग के लिए पैसे बचाना)।
- **लेखा इकाई**: मूल्य का मानकीकृत माप (उदाहरण: रुपये में माल की कीमत लगाना)।
- **डिजिटल भुगतान**:
- **उदाहरण**: यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), मोबाइल वॉलेट, ऑनलाइन बैंकिंग।
- **आरबीआई की भूमिका**: नकद निर्भरता कम करने और वित्तीय समावेशन बढ़ाने के लिए डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करता है।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

उदाहरण

- एक दुकानदार सामान के भुगतान के रूप में ₹500 स्वीकार करता है (विनिमय का माध्यम)।
- एक व्यक्ति भविष्य की खरीद के लिए ₹10,000 बचाता है (मूल्य का भंडार)।

परीक्षा टिप्स

- **धन के तीन कार्यों** का एनसीईआरटी के अनुसार उल्लेख करें।
- **डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में आरबीआई की भूमिका** पर प्रकाश डालें।

3.4 उपभोक्ता जागरूकता और ऋण

मुख्य अवधारणाएँ

- **ऋण समझने का महत्व**:
- **चुकौती शर्तें**: अवधि, ब्याज दर और चुकौती अनुसूची जानें।
- **ऋण जाल से बचें**: छिपे हुए शुल्क, उच्च ब्याज दरें और अवास्तविक चुकौती शर्तों से सावधान रहें।
- **उपभोक्ता अधिकार**:
- ऋण समझौतों को ध्यान से पढ़ें।
- विभिन्न ऋणदाताओं की ब्याज दरों और शर्तों की तुलना करें।
- यदि शोषण का सामना कर रहे हैं तो वित्तीय संस्थानों या एनजीओ से सहायता लें।

उदाहरण

- एक उधारकर्ता को साहूकार द्वारा "बिना ब्याज" के वादे से गुमराह किया जा सकता है, लेकिन बाद में छिपे शुल्क पता चलते हैं।
- एक उपभोक्ता ऋण ऑफर की तुलना करने के लिए मोबाइल ऐप का उपयोग करता है और सबसे सस्ता विकल्प चुनता है।

परीक्षा टिप्स

- **अनौपचारिक ऋण के खतरों** और वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता पर ध्यान दें।
- **ऋणदाताओं द्वारा शोषण को रोकने में उपभोक्ता जागरूकता की भूमिका** का उल्लेख करें।

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

मुख्य बिंदुओं का सारांश

- **औपचारिक बनाम अनौपचारिक ऋण**: औपचारिक स्रोत (बैंक, सहकारी) विनियमित और सुरक्षित हैं; अनौपचारिक स्रोत (साहूकार) उच्च ब्याज दरों के कारण जोखिम भरे हैं।
- **ब्याज दरें**: ऋण चुकाने की उधारकर्ताओं की क्षमता को प्रभावित करती हैं; छोटे किसान/श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षित होते हैं।
- **धन के कार्य**: विनिमय का माध्यम, मूल्य का भंडार, लेखा इकाई।
- **डिजिटल भुगतान**: वित्तीय समावेशन बढ़ाने के लिए आरबीआई द्वारा प्रोत्साहित।
- **उपभोक्ता जागरूकता**: ऋण जाल से बचने और सूचित ऋण निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण।

नोट: हमेशा औपचारिक/अनौपचारिक स्रोतों की तुलना, धन के तीन कार्यों की व्याख्या और छोटे उधारकर्ताओं पर ब्याज दरों के प्रभाव के विश्लेषण पर प्रश्नों का अभ्यास करें।

{}

निम्नलिखित में से कौन सा ऋण का एक औपचारिक स्रोत है?

1. [ ] साहूकार
2. [x] क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
3. [ ] स्थानीय व्यापारी
4. [ ] रिश्तेदार

अनौपचारिक ऋण स्रोतों का एक प्रमुख दोष क्या है?

1. [ ] कम ब्याज दरें
2. [x] पारदर्शिता की कमी
3. [ ] आसान पहुंच
4. [ ] जमानत की आवश्यकता नहीं

भारत में औपचारिक ऋण स्रोतों को कौन सा संस्थान नियंत्रित करता है?

1. [ ] वित्त मंत्रालय
2. [x] भारतीय रिजर्व बैंक
3. [ ] इंडियन बैंक एसोसिएशन
4. [ ] भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

© 2023-2025 Copyright SATHEE

छोटे किसानों को ऋण के साथ वित्तीय तनाव का सामना करने का प्राथमिक कारण क्या हो सकता है?

1. [ ] उच्च ब्याज दरें
2. [ ] शिक्षा की कमी
3. [ ] अपर्याप्त वर्षा
4. [ ] उच्च कर

निम्नलिखित में से कौन सा धन का कार्य नहीं है?

1. [ ] विनिमय का माध्यम
2. [ ] मूल्य का भंडार
3. [ ] लेखा इकाई
4. [x] आय का स्रोत

आरबीआई द्वारा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कौन सी पहल की गई है?

1. [ ] प्रधानमंत्री जन धन योजना
2. [x] यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)
3. [ ] राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
4. [ ] लघु उद्योग विकास बैंक ऑफ इंडिया

उच्च ब्याज उधार लेने से उधारकर्ताओं पर कैसे प्रभाव पड़ता है?

1. [ ] उनकी बचत बढ़ाता है
2. [ ] उनके चुकौती बोझ को कम करता है
3. [x] वित्तीय तनाव की ओर ले जाता है
4. [ ] ऋण-मुक्त स्थिति सुनिश्चित करता है

अनौपचारिक ऋणदाताओं पर निर्भर रहने का एक सामान्य परिणाम क्या है?

1. [ ] वित्तीय स्वतंत्रता में वृद्धि
2. [x] ऋण जाल का जोखिम
3. [ ] उच्च ऋण उपलब्धता
4. [ ] कम ब्याज दरें

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

निम्नलिखित में से कौन सा मूल्य के भंडार का उदाहरण है?

1. [ ] किराने का सामान खरीदने के लिए नकदी का उपयोग करना
2. [x] भविष्य की खरीद के लिए पैसे बचाना
3. [ ] रुपये में माल की कीमत लगाना
4. [ ] भुगतान के लिए मोबाइल वॉलेट का उपयोग करना

ऋण निर्णयों में उपभोक्ता जागरूकता महत्वपूर्ण क्यों है?

1. [x] छिपी हुई फीस से बचने के लिए
2. [ ] ब्याज दरें बढ़ाने के लिए
3. [ ] वित्तीय समावेशन को रोकने के लिए
4. [ ] ऋणदाताओं के बीच प्रतिस्पर्धा कम करने के लिए {}

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE